बृहस्पतिवार
05 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

क्या आप भी अपना टूथब्रश बाथरूम में रखते हैं?

पृष्ठ 5

दिव्यांका त्रिपाठी को खतरों के खिलाड़ी 13 में अपना एक और पहलू देखने को मिला

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 237
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पिता की सेवा करना जिस प्रकार कल्याणकारी माना गया है वैसा प्रबल साधन न सत्य है, न दान है और न यज्ञ हैं।
– वाल्मीकि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

फर्जी रजिस्ट्री घोटाले में शामिल 12वां आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फर्जी रजिस्ट्री घोटाले में शामिल 12वें आरोपी को पुलिस ने सहारनपुर से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार 15 जुलाई को संदीप श्रीवास्तव सहायक महानिरीक्षक निबंधन देहरादून व जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति की जांच रिपोर्ट बाबत अज्ञात आरोपियो की मिलीभगत से धोखाधड़ी की नियत से आपराधिक षडयन्त्र रचकर उप निबंधक कार्यालय प्रथम द्वितीय जनपद देहरादून में भिन्न-भिन्न भूमि विक्रय विलेख से सम्बन्धित धारित जिल्दों के साथ छेडछाड कर अभिलेखो की कूटरचना करना के सम्बन्ध में दी गयी, तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की जांच के लिये पुलिस अधीक्षक यातायात सर्वेश कुमार की अध्यक्षता में एसआईटी टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा रजिस्ट्रार ऑफिस से जानकारी करते हुए

रिंग रोड से सम्बन्धित 30 से अधिक रजिस्ट्रियों का अध्ययन कर सभी लोगों से पूछताछ की तथा पूछताछ में कुछ प्रोपटी डीलर के नाम प्रकाश में आये जिनसे गहन पूछताछ में उक्त फर्जीवाड़े में कई लोगों के नाम प्रकाश में आये गठित टीम द्वारा कई संदिग्धों के विभिन्न बैंक अकाउण्ट का भी अवलोकन किया गया जिसमें करोड़ो रूपयों का लेन-देन होना पाया गया। इस मामले में पुलिस ने सन्तोष अग्रवाल, दीप चन्द अग्रवाल, मक्खन सिंह, डालचन्द, वकील इमरान अहमद, अजय सिंह क्षेत्री, रोहताश सिंह, विकास पाण्डे, कुंवर पाल उर्फ केपी, कमल विरमानी, विशाल कुमार को गिरफ्तार किया जा चुका है, जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार में निरुद्ध है। इन लोगों से विस्तृत पूछताछ में कई अन्य लोगों के नाम भी प्रकाश में आये थे।

पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों के बयानों/साक्ष्यों के आधार पर प्रकाश में आया कि मूल विलेखों की हूबहू नकल कर फर्जी बिलेख तैयार करने का काम केपी द्वारा महेश चन्द उर्फ छोटा पण्डित पुत्र कैलाश चन्द्र निवासी पुष्पाजली बिहार जनता रोड सहारनपुर से कराया जाता था। जिस पर पुलिस टीम द्वारा गत दिवस सहारनपुर से महेश चन्द उर्फ छोटा पण्डित को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

उत्तरकाशी में एक बार फिर भूकंप से डोली धरती, मची अफरा तफरी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। तीन अक्टूबर के बाद एक बार फिर उत्तराखण्ड की धरती भूकंप के झटकों से डोल उठी है। उत्तरकाशी में देर रात एक बार फिर भुकम्प के झटकों के महसूस होने पर लोगों में दहशत का माहौल है।

भारतीय भूकंप केंद्र के अनुसार, बीती रात लगभग 3.49 बजे लोगों को कंपन महसूस हुआ। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.2 नापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार यह झटके इतने तेज नहीं थे, जिससे किसी तरह का नुकसान हो। वहीं जनपद उत्तरकाशी में एक बार भूकंप के झटकों ने यहां के निवासियों की नींद उड़ाई है। रात 3.49 पर जनपद में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 मापी गई। जनपद में बड़कोट, पुरोला, मोरी, नौगांव सहित आसपास के क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। भूकंप के झटके महसूस होने पर ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकले। अपने चिर-परिचितों को फोन कर कुशलक्षेम पूछी। जिला आपदा प्रबंधन

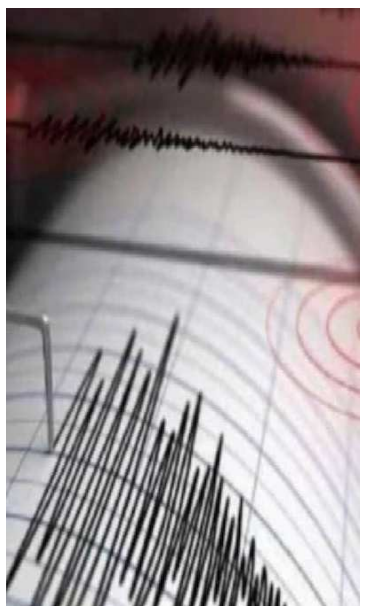

अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि जनपद के तहसील कंट्रोल रूम, पुलिस कंट्रोल रूम तथा दूरभाष व वायरलेस के माध्यम से सूचना ली गई है। जिसमें तहसील बड़कोट, पुरोला ,तथा नौगांव विकासखंड में हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कहीं पर किसी प्रकार की कोई क्षति संबंधी कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

न्यूड पार्टी, 37 लोग गिरफ्तार

नागपुर। नागपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक बिजनेसमैन ने पार्टी में लड़कियों को हाफ न्यूड कर डांस कराया। नागपुर के पास पचगांव में रिसॉर्ट में डांस पार्टी चल रही थी। महाराष्ट्र पुलिस ने डांस पार्टी पर छापा मारा और 37 लोगों को गिरफ्तार किया। ये जानकारी महाराष्ट्र पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि कई लोग हाफ न्यूड पाए गए। वो पार्टी में अश्लील डांस कर रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आईपीसी और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात छापेमारी की गई। 13 डांसर्स सहित 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये पार्टी कीटनाशकों का कारोबार करने वाली एक कंपनी द्वारा 75,000 रुपये से अधिक की खरीदारी करने वालों के लिए प्रोत्साहन के रूप में आयोजित किया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही नागपुर पुलिस और लोकल क्राइम सेल ने उस रिसॉर्ट पर छापा मारा जहां पार्टी चल रही थी। पुलिस ने मौके से पार्टी में शामिल कई लोगों को हिरासत में लिया है। रिसॉर्ट के मालिक और मैनेजर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सिक्किम में बाढ़ से अब तक 14 की मौत, सेना के 22 जवान समेत 102 लापता

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर बादल फटने से बुधवार को तीस्ता नदी बेसिन में अचानक बाढ़ आ गई, जिसमें कम से कम 14 लोगों की जान चली गई, जबकि 22 सैन्य कर्मियों सहित 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। उनकी तलाश चालू है। सिक्किम में आई इस आपदा के बाद से राहत एवं बचाव कार्य में जुटी भारतीय सेना ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं, जहां उत्तरी सिक्किम की जानकारी के लिए 8750887741, पूर्वी सिक्किम के लिए 8756991895 और लापता सैनिकों की जानकारी के लिए 7588302011 संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि

सिक्किम में रात करीब डेढ़ बजे शुरू हुई बाढ़ चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण और बदतर हो गई। राज्य की राजधानी गंगटोक से 30 किमी दूर सिंगताम में एक स्टील पुल, जिसे इंद्रेनी पुल के नाम से जाना जाता है, बुधवार तड़के उफनती तीस्ता नदी में पूरी तरह से बह गया। गंगटोक के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट महेंद्र छेत्री ने कहा, श्गोलिटर और सिंगतम क्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए हैं।श अधिकारियों ने कहा कि मृतकों में से 3 उत्तरी बंगाल में बह गए। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सेना के जवानों के अलावा, 80 से ज्यादा नागरिक अब भी लापता हैं, जबकि 45 लोगों को बचाया गया, जिनमें 18 घायल हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

भ्रष्टाचार भी एक चुनावी टूल

भ्रष्टाचार एक बड़ी राष्ट्रीय समस्या है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए यह राष्ट्रीय समस्या से राजनीति का मुद्दा ज्यादा है। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा भले ही इस समस्या के समाधान का प्रयास करने से ज्यादा ध्यान अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों को कटघरे में खड़ा करने का रहता है लेकिन यह एक रवायत जैसा हो गया है। अन्ना हजारे ने जब दिल्ली के रामलीला मैदान से भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंका था तब सत्ता में बैठे लोगों ने उनका आंदोलन समाप्त करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी सरकार के कई दौर की वार्ताओं के बाद लोकपाल और लोकायुक्त के गठन के लिखित आश्वासन पर यह आंदोलन समाप्त हो गया लेकिन इसके नतीजे पर गौर करें तो वह सिफर ही रहे। देश में लोकायुक्त और लोकपाल जैसे सशक्त भ्रष्टाचार रोधी कानून व व्यवस्था को अभी तक अमल में नहीं लाया जा सका है इस दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि भ्रष्टाचार की जड़ में कौन है शासन प्रशासन में बैठे लोग या देश का समाज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो भ्रष्टाचार को बड़ी समस्या तो बताते हैं तथा अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल भिजवाने में भी कतई ढिलाई नहीं बरत रहे हैं लेकिन अपने 10 सालों के शासन में वह भी भ्रष्टाचार को रोकने या कम करने के लिए कुछ नहीं कर पाए हैं। इस बात को सभी जानते हैं कि भ्रष्टाचार की जड़ में शासन और प्रशासन ही है आम जनता को उसके छोटे से छोटे कामों के लिए शासन में बैठे नेता और अधिकारी कैसे थकाते हैं और उन्हें रिश्वत देने पर विवश करते हैं इसकी कहानी किसी से भी छिपी नहीं है। बीते कल दिल्ली की केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी, सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुश्किलों में फस गई है। बहुचर्चित शराब नीति घोटाले में संजय सिंह को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है उनकी गिरफ्तारी के बाद दिल्ली ही नहीं देश की सियासत में एक बार फिर भारी हलचल पैदा हो गई है। दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सत्येंद्र जैन जो लगभग डेढ़ साल से जेल में है और उनके बाद उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी जो 8 महीने से जेल में है और उन्हें जमानत तक नहीं मिल पा रही है, के बाद अब आप के तेज तर्रार सांसद संजय सिंह जो संसद में पीएम मोदी और अडानी के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा की घेराबंदी करते रहे हैं, उनकी गिरफ्तारी के विरोध में आप में तो भारी उबाल है ही साथ ही विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं की लामबंदी भी शुरू हो गई है। यानी कि आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार और सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग के मुद्दे पर राजनीति अपने फुल ऑन मोड में रहने वाली है। विपक्ष का सीधा आरोप है कि केंद्र सरकार विपक्षी एकता से घबराकर नेताओं को जेल में डाल रही है तथा सरकारी एजेंसियों सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग कर रही है वहीं भाजपा के नेताओं का कहना है कि अब केजरीवाल की बारी है। कल सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी वाले दिन देश की सर्वोच्च अदालत की 7 सदस्यीय खंडपीठ ने नोट के बदले वोट में राहत को लेकर सुनवाई के दौरान कहा गया कि आशंका के आधार पर सियासी भ्रष्टाचार की छूट कैसे दी जा सकती है सांसदों और विधायकों को आपराधिक मामलों में जो विशेषाधिकार का कवच मिला हुआ है, उसके दुरुपयोग को क्यों नहीं रोका जाना चाहिए? सवाल यह है कि देश की इस समस्या को देश के नेता कब तक चुनावी टूल के रूप में इस्तेमाल करते रहेंगे क्या कभी इसके समाधान पर कोई सरकार ठोस फैसला कर पाएगी लाखों करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार करने और अरबों खरबों की बेनामी संपत्तियों को बनाने वाले नेताओं और अधिकारियों पर भी क्या कभी बुलडोजर की कार्रवाई होगी?

मालिश के बहाने एक लाख की अंगूठियां ठगी

देहरादून (सं)। मालिश करने के बहाने एक लाख की अंगूठियां ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी हरबंस लाल अरोडा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी दुकान जनरल विंग में अपने घर के साथ है। आज सवा पांच बजे साय के समय एक व्यक्ति उसकी दुकान पर आया व उसको कहने लग की आपके हाथ-पाव की मालिश कर देता है व उससे मालिश के लिये तेल लिया व उसकी मालिश करने लगा। मालिश करते समय कहने लगा कि अपने हाथो की अगूठी उतार दे। साईट मे रख दो। उसने उसके कहने पर अगूठी दुकान पर रख दी। अगूठी दो की कीमत करीब एक लाख रूपये से अधिक है। मालिश करने के बाद उसको हाथ धोकर आने के लिये कहा। जब वह हाथ धोने गया और वापस आया तो वह व्यक्ति उसकी दो सोने की अगूठी लेकर बिना नम्बर की मोटरसाईकिल मे भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आ वच्यस्व महि प्सरो वृषेन्दो द्युम्नवत्तमः।
आ योनिं धर्णसिः सदः।।
(ऋग्वेद ९-२-२)

हे दिव्य और आनंदमय परमेश्वर ! आप ही सत्य धन और उत्तम आशीर्वादों के प्रदाता हो। आप हमारे मन और आत्मा को ज्ञान रूपी भोजन प्रदान करते हैं। आप ही सार्वभौमिक ज्ञान को धारण करने वाले हैं। आप ही कारणभूत प्रकृति को धारण किए हुए हो।

15वां आदिवासी युवा अदान प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिन निकाली अमृत कलश यात्रा

संवाददाता

देहरादून। 15वें आदिवासी युवा अदान प्रदान कार्यक्रम के तीसरे दिन अमृत कलश यात्रा को आयोजन किया गया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा कुठाल गेट में 15वां आदिवासी युवा अदान प्रदान कार्यक्रम का तीसरा दिवस सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में चार राज्यों झारखण्ड, आंध प्रदेश, महराष्ट्र एवं बिहार के दस जिलों से आये 200 आदिवासी युवा प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रथम सत्र बीएस सामंत निरक्षक सहायक सीआरपीएफ की विभिन्न योजनाओं एवं आदिवासी क्षेत्रों में चलाये जा रहे अभियानों के विषय पर लिया गया। उन्होंने सभी युवाओं को सम्बोधित करते हुए अपने अनुभव युवाओं के बीच रखे। उन्होंने युवाओं को आदिवासी क्षेत्रों में बढते नशे एवं बेरोजगारी के विषयमें जानकारी दी एवं युवाओं को समझाया कि कैसे शिक्षा एक बेहतर जीवन के लिए अत्यन्त आवश्यक है शिक्षा ही आदिवासी युवाओं को मुख्यधारा में जोड सकती है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि सभी युवा अपने जीवन में ईमानदारी को प्राथमिकता दें और अपने लक्ष्य की ओर बढें।

कार्यक्रय के दूसरे सत्र में सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी राज्यों के दस दलों के 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने जिले के पारम्परिक लोकनृत्य, पारम्परिक वेषभूषा में सभी के सामने प्रस्तुत किये। निर्णायक के रूप में डा. एमआर सकलानी, शिव मोहन सिंह एवं चन्द्रदत्त सुयाल उपस्थित रहे। मेरी मोटी मेरा देश, माटी को नमन वीरों का वन्दन कार्यक्रम के तहत अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसके तहत सभी प्रतिभागी द्वारा रैली का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने ढोल नगाडों एवं नारों के साथ रैली निकाली गयी। सांस्कृतिक प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार राज्य झारखण्ड जिला गिरिडीह, द्वितीय राज्य झारखण्ड जिला चतरा, तृतीय राज्य झारखण्ड जिला चतरा एवं सांतवना पुरूस्कार बिहार राज्य के गया जिला एवं झारखण्ड के लोहरदगा विजेता रहे।

सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर आप ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

हमारे संवाददाता

देहरादून। सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आर पी रतूड़ी के नेतृत्व में लैंसडाउन चौक पर जोरदार नारेबाजी कर केन्द्र सरकार का पुतला दहन किया गया।

इस दौरान पार्टी के उपाध्यक्ष डॉ आरपी रतूड़ी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार करवाकर अपना तानाशाही चेहरा जनता के सामने दिखाया गया है। पार्टी उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा ई डी को आगे कर आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेताओं को एक-एक करके टारगेट किया जा रहा है। इस दौरान पार्टी उपाध्यक्ष आजाद अली ने भी केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। वहीं गढ़वाल मंडल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि देश में इस समय जो माहौल है उससे न सिर्फ संविधान बल्कि लोकतंत्र भी खतरे में है और भारतीय जनता पार्टी द्वारा बार-बार आप नेताओं पर योजना बद्ध तरीके से प्रहार किया जा रहे हैं । इस दौरान प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष हिम्मत सिंह बिष्ट, प्रदेश संगठन सह समन्वयक डीके पाल प्रदेश सचिव नासिर खान ,रिहाना परवीन ,सीमा कश्यप विपिन खन्ना ,कमलेश रमन, दर्शन डोभाल, श्यामबाबू पांडे, सहित कई लोग मौजूद रहे।

बिजली घर हटाकर पुल बनाने की मांग को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

हरिद्वार। 15 नम्बर बिजली घर को हटाकर वहां पर पुल बनाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने सभा कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

आज यहां श्रवणनाथ बाजार के व्यापारियों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय चोपड़ा के नेतृत्व में 15 नंबर बिजली घर को हटाकर सरकार से सेतु बनाने की मांग को फिर से दोहराते हुए बिजली घर के प्रागण में सभा कर मुख्यमंत्री पुष्पकर सिंह धामी, हरिद्वार लोक सभा सासद डा रमेश कमाल निशक क्षेत्रीय विधायक मदन कौशिक से संयुक्त रुप से गगां पर नये पुल की मांग को दोहराया। इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा कि राज्य सरकार लगातार हरिद्वार के विकास को लेकर कदम उठा रही है उन्होंने कहा कि कॉरिडोर का नक्शा सभी चौक चौराहे पर सार्वजनिक रूप से प्रकाशित किया जाना चाहिए। संजय चोपड़ा ने कहा श्रवणनाथ कुशा घाट मार्ग पर बने 15 नंबर बिजली घर को हटाकर वहां पर सेतु बनाने की मांग को क्षेत्रिय व्यापारी काफी समय से करते चले आ रहे है।

उन्होंने बताया कि तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक रावत ने इस क्षेत्र का निरक्षण किया था और पुल बनाने की बात भी कही थी फिर भी यह पुल नहीं बन पाया। उन्होंने बताया कि इस पुल से तीर्थ श्रद्धालु मनसा देवी से सीधा चंडी देवी जा सकता है और चंडी देवी से मनसा देवी रोड़ी बेल वाला भी आ सकता है। इस दौरान व्यापारी नेता राजेश खुराना ने कहा कि यह पुल बन जाता है तो यात्रियों को भीड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों और यात्रियों के साथ-साथ प्रशासन का भी काम आसान हो जाएगा हर मेले पर उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर जो भीड़ को नियंत्रित करना पड़ता है वह पुल के बनने से काम आसान हो जाएगा। गंगा पर एक और नया पूल बनाने की मांग करते स्थानीय व्यापारी नेता राकेश मित्तल, संजीव दत्ता, भगवती डोलिया, मनोज खुराना, सुरेंद्र जैन, राजेश तपोश, राहुल शर्मा, सुरेश भाटिया, संदीप अग्रवाल, अमित गुप्ता, रवि शर्मा,संजय भारद्वाज, राजेश अरोड़ा, कौशल मित्तल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

हेयर स्ट्रेटनिंग के बाद बालों का ऐसे रखें ख्याल

इन दिनों लड़कियों अपने बालों में अलग-अलग ट्रीटमेंट करवाती हैं, जिसमें से परमानेंट स्ट्रेटनिंग काफी पॉपुलर है। वैसे तो आप इसे घर पर ही स्ट्रेटनर की मदद से कर सकती हैं, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं टिकता। अगर आप भी परमानेंट हेयर स्ट्रेटनिंग करवाना चाहती हैं आपको उसके बाद अपने बालों का खास ख्याल रखना पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि शुरू-शुरू में आपके बाल अच्छे लगते हैं मगर लंबे समय के बाद इनकी ठीक से केयर न करने की वजह से बाल ड्राय हो कर खराब दिखने शुरू हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि स्ट्रेटनिंग के बाद बालों का ख्याल कैसे रखें-

धूप से बचांए बाल

अपने स्ट्रेस किए हुए बालों को धूल और धूप से बचाना बेहद जरूरी है। क्योंकि सूरज की किरणें बालों को बुरी तरह से डैमेज कर सकती हैं। इसलिए घर से जब भी बाहर निकलें तब अपने बालों को पूरी तरह से कवर कर के ही निकलें।

ऐसे करें बालों में कंघी

हमेशा ध्यान रखें कि कभी भी गीले बालों में कंघी न करें। उन्हें सुलझाने के लिए हमेशा चौड़े दांतदार वाली कंघी का ही प्रयोग करें। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो आपके बाल टूट सकते हैं। हेयर स्ट्रेटनिंग करवाने के बाद बाल वैसे भी केमिकल की वजह से कमजोर पड़ जाते हैं।

इस पानी से धोएं बाल

बालों को धोने के लिए कभी भी गर्म पानी का भूलकर भी यूज न करें। इससे आपके बालों की नमी खत्म हो जाती है। इसीलिए बालों को ठंडे पानी या फिर नॉर्मल पानी से ही वॉश करें।

न लगाएं हेयर कलर

अपने स्ट्रेट किए हुए बालों पर कभी भी मेहंदी या फिर कलर का प्रयोग न करें। यदि आपको मेहंदी या कलर लगाना ही है तो हेयर स्ट्रेटनिंग के पहले लगा लें।

न करें ज्यादा शैंपू का इस्तेमाल

स्ट्रेट बालों में ज्यादा शैंपू करने की वजह से बालों का टेक्सचर खराब होना शुरू हो जाता है। हमेशा उसी शैंपू का प्रयोग करें जो आपकी हेयर स्टाइलिस्ट ने बताया हो।

भूलकर भी न करें इन 7 चीजों के साथ दूध का सेवन

दूध एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई पीना पसंद करता है। आखिर पौषक तत्वों से भरपूर दूध का सेवन करने से कैल्शियम, प्रोटीन सभी जरूरत तत्व मिलने के साथ शरीर का बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलती है। मगर बहुत कम लोग इस बात से परिचित होंगे कि दूध का सेवन हर चीज के साथ नहीं करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार, 7 ऐसी चीजें हैं जिनके साथ दूध का सेवन करने से शरीर का विकास होने की जगह नुकसान होने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है....

1. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नमक और दूध का एक साथ सेवन करना खुदकुशी करने के बराबर माना जाता है। इससे लीवर गलने की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। असल में, दूध में प्रोटीन और नमक में आयोडीन की मात्रा अधिक होने से इनका एक साथ सेवन लीवर को खराब करने का कोई करता है।

2. जिन लोगों को अपना वजन बढ़ना हो उन्हें रोजाना दूध में केले मिक्स कर बनाना शेक बनाकर पीने से लाभ मिलता है। मगर कफ से परेशान लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

3. दूध पीने से पहले या तुरंत बाद कच्चा प्याज खाने से स्किन इंफैक्शन होने का खतरा बढ़ता है। ऐसे में दाद व खुजली की परेशानी का सामना करना पड़ सकता हैं।

4. मछली खाने के बाद भूल से भी दूध या इससे बनी किसी चीज को खाने से बचना चाहिए। नहीं तो स्किन पर सफेद दाग पड़ सकते हैं।

5. मसालेदार भोजन के साथ या तुरंत बाद दूध पीने से पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है। इससे खाना पचाने में दिक्कतों का सामना करने के साथ पेट दर्द, जलन, गैस आदि की समस्याएं होने लगती है।

6. अक्सर लोग रात को उड़द दाल का सेवन करने के बाद दूध पी लेते हैं। मगर ऐसा करने से इन्हें पचाने में दिक्कतें आती है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

7. दूध पीने के तुरंत बाद दही, नींबू या कोई खट्टी चीजें खाने से बदहजमी होने का सामना करना पड़ सकता है। असल में, इससे पेट में जाकर दूध फट जाने से एसिडिटी, उल्टी या मतली आदि का खतरा बढ़ता है।

एक दिन में 2 से ज्यादा अंडे न खाएं, वरना सेहत बनने की जगह बिगड़ जाएगी!

अंडे प्रोटीन, विटामिन बी2 (राइबोफ्लेविन), विटामिन बी12, विटामिन डी, सेलेनियम और आयोडीन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इसमें कोलीन, आयरन और फोलेट भी काफी मात्रा में होता है। जो शरीर के लिए काफी ज्यादा हेल्दी होता है और सेहत बनाए रखने में मदद करता है। अंडे में कोलेस्ट्रॉल होता है, जो एक ऐसी चीज़ है जोआपकी सेहत के लिए फायदेमंद भी है और अगर इसका लेवल हाई हो जाए तो यह आपको परेशान भी कर सकती है। लेकिन क्या सिर्फ इस एक बात की वजह से आपको इसे खाना बंद कर देना चाहिए?

खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से आपको दिल से जुड़ी बीमारी हो सकती है

हम सभी जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से सबसे ज्यादा दिल का नुकसान होता है। क्योंकि अगर आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा तो आप दिल की बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। या हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ सकता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह की होती है। एक हेल्दी और दूसरी अनहेल्दी। हेल्दी कोलेस्ट्रॉल हेल्दी सेल्स और टिश्यूज के साथ-साथ एस्ट्रोजन, टेस्टोस्टेरोन और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन बनाती है जो शरीर के लिए बहुत अच्छा होता है। दिक्कत तब होती है जब शरीर में अनहेल्दी कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है। और सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि एलडीएल और खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है।

एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का हाई लेवल दिल की बीमारी और स्ट्रोक के लिए खतरनाक

जबकि एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का हाई लेवल दिल की बीमारी और स्ट्रोक के लिए आपके जोखिम को बढ़ाता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का कहना है कि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल ब्लड में कोलेस्ट्रॉल को समाहित करता है और इसे बाहर निकालने के लिए लिवर में वापस ले जाता है। यही कारण है कि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल दिल संबंधी समस्याओं के जोखिम को कम करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अंडे में होते हैं हेल्दी कोलेस्ट्रॉल

अंडे में हाई लेवल के कोलेस्ट्रॉल होते हैं लेकिन वह सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं होते हैं। यह दूसरे फूड आइटम में मौजूद कोलेस्ट्रॉल से काफी अलग होते हैं। जैसे फैट और अनहेल्दी फैट में कोलेस्ट्रॉल होते हैं उससे अलग होते हैं।

रोजाना इतने अंडे ही आपकी सेहत के लिए सही है

एक बड़े अंडे में लगभग 186 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। जो कि पूरी जर्दी में होता है। रोजाना एक पूरा अंडा खाने की डॉक्टर सलाह देते हैं। कोरियन जर्नल फूड साइंस ऑफ एनिमल रिसोर्सेज में पब्लिश एक रिसर्च में पाया गया कि प्रति सप्ताह 2-7 अंडे खाने से उच्च एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखने और मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को कम करने में मदद मिली। जबकि रोजाना 2 अंडे खाने से आपके शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है।

खाने में पोषण की कमी से नहीं आती है नींद

एक नए अध्ययन में कहा गया है कि दिनभर की थकान के बाद भी अगर आपको नींद नहीं आती है तो हो सकता है कि आपके खाने में पोषण की कमी हो। पोषण की कमी आपके नींद पर भी असर डालती है। आपको नींद न आने की वजह आपमें पोषण की कमी हो सकती है। अध्ययन में यह भी सामने आया पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की नींद के लिए ज्यादा पोषक तत्व जिम्मेदार हैं। हालांकि, वे डायटरी सप्लिमेंट्स लेकर यह कमी पूरी कर सकती हैं।

लीड रिसर्चर चीयोमा इकोंटे ने बताया कि इस रिसर्च से पता चलता है कि आप अपने खाने में पोषण की कमी को पूरा करके नींद न आने की समस्या को दूर कर सकते हैं।

पोषण का संबंध आपके सोने के घंटो के अलावा, कमजोर नींद और जागने की समस्या से भी है। हमारे शरीर को विटमिन और मिनरल की जरूरत होती है लेकिन ये हमारे शरीर में नहीं बनते हैं। इसलिए हमें इन्हें अपने डायट में शामिल करना जरूरी है। दुनिया भर में अरबों लोग किसी न किसी एक विटमिन की कमी का शिकार हैं।

वेब सीरीज मेन्शन 24 में नजर आएंगी अभिनेत्री अविका गौर

अभिनेत्री अविका गोर जल्द ही वेब सीरीज मेन्शन 24 में नजर आने वाली हैं। अविका ने कहा कि राजू गारी गाधी 3 के निर्देशक ओमकार के साथ फिर से काम करना दिलचस्प रहा। अभिनेत्री ने कहा, निर्देशक ओमकार के साथ दोबारा काम करना बेहद दिलचस्प है। मैंने उनके साथ राजू गारी गाधी 3 में काम किया, इस तेलुगु फिल्म को काफी सफलता मिली, इसलिए मैं उनके साथ दोबारा काम करके बहुत खुश हूं।

अविका ने कहा, इस प्रोजेक्ट में, उनके पास कई कहानियां और कई एक्शन हैं और उनकी खूबी हॉरर और थ्रिलर है, जिसे वह दर्शकों के सामने ला रहे हैं। मुझे खुशी है कि मुझे तेलुगु बाज़ार में बड़े पैमाने पर किसी चीज का हिस्सा बनने का अवसर मिला है और मुझे उम्मीद है कि लोग मेरे इस पक्ष की सराहना करेंगे। सीरीज के पोस्टर के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, हां, पोस्टर बेहद दिलचस्प है क्योंकि आप वास्तव में यह पता नहीं लगा सकते हैं कि मैं अच्छी हूं, बुरी हूं या पीड़िता हूं। यह भ्रमित करने वाला है और मुझे यह पसंद है। मेरा पिछला कोई भी पोस्टर ऐसा नहीं था, इसलिए मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। जल्द ही इसका ट्रेलर जारी किया जाएगा। अविका ओटीटी क्षेत्र में कई फिल्मों, थिएटरों और श्रृंखलाओं पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, बहुत कुछ हो रहा है, लेकिन मैं इस समय अधिक विवरण साझा नहीं कर सकती। जैसे ही घोषणाएं होनी शुरू होंगी, मैं विवरण साझा करूंगी। मैं इस परिवर्तन को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं क्योंकि एक अभिनेता के रूप में आपको विभिन्न प्लेटफार्मों पर बहुत सारे अवसर मिलते हैं और मुझे खुशी है कि मैं उन्हें एक साथ हासिल करने में सक्षम हूं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की भी खुशी है कि मैं लगातार हिंदी और तेलुगु में परियोजनाओं पर काम कर रही हूं और अभी बहुत कुछ आना बाकी है। छुट्टियों को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान भी मैं डबिंग कर रही थी। मैं शूटिंग के बाद और उससे पहले अपने परिवार के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की कोशिश करती हूं। मैं व्यस्त रहना पसंद करती हूं।

एक और राष्ट्रीय शर्म

पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे राज्यों में बेच दिया जाता है, जहां उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं।

बात राष्ट्रीय राजधानी की है, जो देश की सत्ता का केंद्र है- जहां पक्ष-विपक्ष में रोज ही किसी ना किसी मुद्दे को लेकर तकरार छिड़ी रहती है। लेकिन इस बहस में देश की आम आबादी के असल मुद्दे किस तरह गायब रहते हैं, इस पर ध्यान देना हो, तो बाल तस्करी के बारे में जारी हुई एक ताजा रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि कोरोना महामारी के बाद कई राज्यों में बाल तस्करी के मामले बढ़े हैं। गेम्स24म7 और चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन (केएससीएफ) ने बाल तस्करी के बारे में उपलब्ध आंकड़ों को संकलित कर यह रिपोर्ट तैयार की है। केएससीएफ ने 2016 और 2022 के बीच भारत के 21 राज्यों के 262 जिलों में बाल तस्करी के मामलों में हस्तक्षेप किया। उन मामलों से प्राप्त आंकड़ों के आधार तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि कानूनन बाल मजदूरी पर रोक होने के बावजूद बड़ी संख्या में बाल मजदूर आज भी विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। जिन उद्योगों में सबसे ज्यादा बाल मजदूरों को रोजगार मिलता है, वे होटल और ढाबे (15.6 फीसदी) हैं। इसके बाद एक परिवार के स्वामित्व वाली ऑटोमोबाइल या परिवहन उद्योग (13 प्रतिशत) और कपड़ा क्षेत्र (11.18 फीसदी) हैं। जाहिरा तौर पर ये समस्या गंभीर है। लेकिन बाल तस्करी सिर्फ चिंताजनक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शर्म का भी विषय है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछड़े राज्यों से बच्चों की तस्करी कर उन्हें ऐसे शहरों या राज्यों में बेच दिया जाता है, जिससे उनका इस्तेमाल छोटे-मोटे उद्योगों या घरेलू काम के लिए किया जा सके। कई बार तस्कर बच्चों को ऐसे गैंग को भी बेच देते हैं जो भीख मांगने जैसे वाले रैकेट चलाते हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2019 में देश में मानव तस्करी (बच्चों और वयस्कों समेत) के जितने भी मामले थे, उनमें से सबसे ज्यादा मामले जबरन श्रम, देह व्यापार, घरों में जबरन काम और जबरन शादी के थे। आजादी के 75 साल बाद भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। इसके लिए कौन जवाबदेह है? (आरएनएस)

पंकजा मुंडे अब क्या करेंगी ?

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता रहे गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे का भाजपा में अलगाव बढ़ता जा रहा है। वे पिछले काफी समय से पार्टी में अलग थलग हैं और उनकी राजनीति को लेकर पार्टी सहमत नहीं है। सक्रिय राजनीति में उनकी शुरुआत विधायक और मंत्री बनने के साथ हुई थी। लेकिन 2019 में विधानसभा का चुनाव हारने के बाद से ही पार्टी में उनको किनारे किया जाने लगा।

वे चाहती थीं कि पार्टी उनको विधान परिषद में भेजे लेकिन वह भी नहीं हुआ। उनको पार्टी की केंद्रीय टीम में जिम्मेदारी मिली है लेकिन वे उस जिम्मेदारी से ज्यादा अपने क्षेत्र में और महाराष्ट्र में काम करने की इच्छुक हैं।

तभी उन्होंने महाराष्ट्र में शिव शक्ति यात्रा निकालने का ऐलान किया। हालांकि उनकी इस यात्रा को पार्टी के नेताओं ने एक तरह से अनुशासनहीनता माना। बताया जा रहा है कि उनको यात्रा निकालने से रोकने की कोशिश भी हुई लेकिन वे तैयार नहीं हुईं। उसके बाद ही उनके परिवार के स्वामित्व वाली सहकारी बैद्यनाथ सुगर फैक्टरी पर जीएसटी का छापा पड़ गया। जीएसटी की केंद्रीय टीम ने उनकी कंपनी के ऊपर 19 करोड़ रुपए का बकाया बताया है। बताया जा रहा है कि छापा मारने के बाद जीएसटी की टीम ने वहां मौजूद करीब 19 करोड़ रुपए का सामान जब्त कर लिया। तभी अब सवाल है कि पंकजा मुंडे अब क्या करेंगी? उनकी एक दिक्कत यह भी है कि भाजपा ने एनसीपी के अजित पवार खेमे को अपने साथ मिला लिया है और उनको हराने वाले धनंजय मुंडे उसी खेमे में हैं। वे राज्य की शिव सेना, भाजपा, एनसीपी सरकार में मंत्री भी बन गए हैं। सो, पंकजा मुंडे को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अपने लिए कोई रास्ता बनाना होगा। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या आप भी अपना टूथब्रश बाथरूम में रखते हैं?

कई लोग अपना टूथब्रश बाथरूम में रखते हैं। वह एक होल्डर रखते हैं जिसमें अपनी पूरी फैमिली मेंबर का ब्रश उसमें रखते हैं। आज हम बात करेंगे कि क्या बाथरूम में टूथब्रश रखना सही है? हेल्थ के हिसाब से इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है। ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो बाथरूम में ब्रश रखते हैं उनको यह खबर एक पल के लिए परेशान कर सकती है।

फ्लश करने से आज जाते हैं बैक्टीरिया

डेंटल एक्सपर्ट के मुताबिक फ्लश करने के बावजूद शीट या आसपास के एरिया में बैक्टीरिया मौजदू होते हैं। यह वजह है कि बिना ढक्कन लगाएं फ्लश करने से पानी बाहर निकल जाता है। जिसकी वजह से मल से निकले बैक्टीरिया फर्श पर निकल जाते हैं। पानी सूखने के बाद बैक्टीरिया उड?र टूथब्रश में लग जाते हैं और फिर जब आप उस ब्रश पर पेस्ट लगाकर इस्तेमाल करते हैं तो वह बैक्टीरिया आपके मुंह में चला जाता है। जिसकी वजह से आपको कई तरह की बीमारी हो सकती है।

ब्रश पर जम सकती है गंदगी

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक बाथरूम टूथब्रश रखना सही नहीं है। ऐसा करने से ढेर सारी बैक्टीरिया ब्रश पर जम जाती है। यही नहीं एक ही बाथरूम को कई लोग शेयर करते हैं तो कई तरह की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में अपने टूथब्रश पर गंदगी जमने से आप रोक सकते हैं।

इतने दिनों के अंदर बदल लें ब्रश

डेंटल एक्सपर्ट कहते हैं कि ब्रश करने से पहले साफ पानी से एक बार जरूर धो लें।

ऐसा करने से ब्रश पर जमें बैक्टीरिया निकल जाते हैं। इसलिए ब्रश करने के बाद इसे कवर करना न भूलें। आजकल ज्यादातर ब्रश कवर वाले आने लगे हैं। 3 महीने के बाद ब्रश के दांत या ब्रिसल्स घिस जाते हैं तो उसे तुरंत बदल लें। घिसे हुए ब्रश से दांत साफ करना खतरनाक हो सकता है।

रात को बाल धोने से हो सकती है ये समस्या, बरते सावधानी!

बालों की नियमित सफाई जरूरी है। कई बार समय न मिलने पर कुछ महिलाएं रात के समय बाल धो लेती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि रात के समय बाल धोने से कई तरह के नुकसान भी होते हैं।

सर्दी : कई लोगों को सर्दी से एलर्जी होती है ऐसे में रात में बाल धोने पर आपको सर्दी-जुकाम हो सकता है। क्योंकि रात में बाल गीले होने पर सिर में ठंडक बनी रहती है। रात के समय आपका शरीर तो गर्म रहता है, लेकिन गीले बालों के कारण सिर ठंडा रहता है जिससे जुकाम हो सकता है।

बालों का झड़ना : यदि आपको पहले से ही हेयर फॉल की समस्या है तो रात को बाल धोने से यह समस्या और बढ़ सकती है। बाल धोने के बाद सोने से बाल और टूटते हैं, क्योंकि गीले होने पर बालों का क्यूटिकल ऊपर हो जाता है जिसके कारण हेयर फॉल अधिक होता है।

उलझने की समस्या :रात को बाल धोने के बाद जब आप उसे बिना सीधे किए सो जाती हैं, तो सुबह उठने पर बाल और अधिक उलझ जाते हैं और तब कंघी करने पर बाल टूटते हैं। रात में बाल धोकर सोने से बालों का टेक्सचर भी खराब हो जाता है।

इंफेक्शन: बालों को अच्छी तरह सुखाए बिना सोने से बालों में फंगल, रूसी जैसी समस्याएं होने का खतरा अधिक होता है। गीले बालों में नमी के कारण फंगल तेजी से विकसित होता है।

सिरदर्द: रात को गीले बालों के साथ सोने से सिर दर्द की भी समस्या हो सकती है। इसके अलावा गीले बालों में धूल आदि चिपकने से एलर्जी का खतरा भी बढ़ जाता है। वहीं ज्यादा देर तक बालों के गीला रहने से सिर में दर्द की समस्या भी पैदा हो जाती है।

बाल रूखे हो जाते हैं: रात को बाल धोने के कारण बाल ड्राई भी हो सकते हैं, क्योंकि रात में आप बालों को सुलझाए बिना ऐसे ही सोच जाती है जिससे सुबह उठने पर बाल अधिक रूखे हो जाते हैं।

स्टाइलिंग करना मुश्किल होता है: रात के समय गीले बालों में सोने के कारण बालों का स्टाइल बिगड़ जाता है, बालों का शेप खराब हो जाता है। ऐसे में सुबह बालों के लिए कोई अलग स्टाइल बनाना मुश्किल हो जाता है।

शब्द सामर्थ्य -063

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

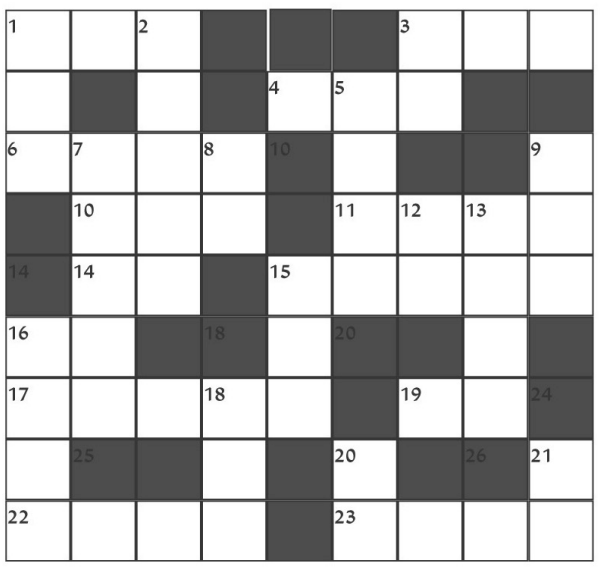

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

मृणाल ठाकुर की आंख मिचौली की रिलीज तारीख आई सामने, पहला पोस्टर भी जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली फिल्म आंख मिचौली को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म में उनके अलावा अभिमन्यु, परेश रावल, शरमन जोशी, दिव्या दत्ता, अभिषेक बनर्जी, दर्शन जरीवाला, ग्रुशा कपूर और विजय राज जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।अब इस बीच आंख मिचौली की रिलीज तारीख सामने आ गई है।यह फिल्म इसी साल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

फिल्म आंख मिचौली का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें सभी कलाकार मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं।इसका निर्देशन उमेश शुक्ला द्वारा किया जा रहा है और फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।आशीष वाघ आंख मिचौली के निर्माता हैं।मृणाल की अन्य आगामी फिल्मों की बात करें तो वह पूजा मेरी जान और पिप्पा में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म हाय नन्ना और मटका का भी हिस्सा हैं।

उमेश ने फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़ी फिल्में दी हैं। इनमें 1०2 नॉट आउट, ओह माय गॉड जैसी फिल्में शामिल हैं।

इस फिल्म के साथ ही शरमन जोशी काफी लंबे अंतराल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रहे हैं। वहीं मृणाल ठाकुर और विजय राज हाल ही में रिलीज हुई फरहान अख्तर की फिल्म तूफान का हिस्सा रही हैं। अगर बात करें परेश रावल की तो वे जल्द ही कॉमेडी फिल्म हंगामा 2 में नजर आने वाले हैं। इसका डायरेक्शन प्रियदर्शन ने किया है। इसके अलावा वे साउथ स्टार सूर्या की फिल्म सोराराई पोटरू का भी हिस्सा रहे हैं। फिल्म की कास्ट के हिसाब से तो फिल्म मजेदार साबित होने वाली है। (आरएनएस)

आलिया भट्ट ने की नई फिल्म की अनाउंसमेंट, वसन बाला की जिगरा में नजर आएंगी एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट हर बार अपनी एक्टिंग से फैंस को दीवाना बना लेती हैं। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के हिट होने के बाद आलिया ने अपनी एक और फिल्म जिगरा की अनाउंसमेंट कर दी है। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है। जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस फिल्म ने करण जौहर और आलिया भट्ट एक बार फिर साथ में काम करने वाले हैं। दोनों मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस करने वाले हैं। फिल्म को वसन बाला डायरेक्ट कर रहे हैं।

करण जौहर और आलिया भट्ट दोनों ने ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। वीडियो में आलिया का लुक दिखाया गया है साथ में एक वॉइस ओवर आता है। जिससे लग रहा है कि वह अपने छोटे भाई या बहन से कह रही हैं कि वो उन्हें कुछ नहीं होने देंगी।

करण जौहर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- मेरे जिगरा की वापसी। आलियाभट्ट एक बार फिर वसन बाला के डायरेक्शन में बन रही असाधारण कहानी लेकर आ रही हैं। अटूट प्रेम और अटूट साहस की कहानी। जिगरा 27 सितंबर 2०24 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जिगरा में आलिया भट्ट ना सिर्फ एक्टिंग करने वाली हैं बल्कि इसे प्रोड्यूस भी करने वाली हैं। वह करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के साथ मिलकर इसे प्रोड्यूस करेंगी। आलिया के प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन्स के तले उनकी फिल्म डार्लिंग्स भी बनी थी। जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट आखिरी बार फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह के साथ नजर आईं थीं। इस फिल्म को करण जौहर ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म से करण जौहर ने लंबे समय के बाद डायरेक्शन में वापसी की थी। फिल्म को ऑडियन्स ने बहुत पसंद किया है। (आरएनएस)

दिव्यांका त्रिपाठी को खतरों के खिलाड़ी 13 में अपना एक और पहलू देखने को मिला

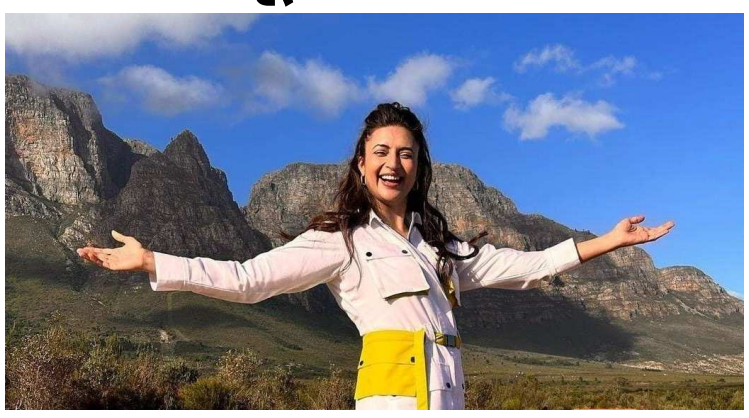

अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी स्टंट-आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में लौट आई हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन के जंगल में स्टंट करने का अपना अनुभव साझा किया है।

अभिनेत्री ने साझा किया कि खतरों के खिलाड़ी 13 में एक चुनौती बनना उनके लिए एक समृद्ध साहसिक कार्य था। शुरुआत में उन्होंने सोचा, क्या वह ये स्टंट कर पाएंगी, क्योंकि उनके सीजन् में सभी स्टंट समान रूप से कठिन थे।

उसने कहा -मुझे गर्व है कि मैं मजबूत और साहसी बनकर उभरी। शो के 11वें संस्करण में मुझे अपनी यात्रा के लिए बहुत सराहना मिली। एक चैलेंजर के रूप में नवीनतम संस्करण का हिस्सा बनना, जो डेयरडेविल्स के लिए मानक स्थापित करता है, एक सम्मान की बात थी और घर वापसी जैसा महसूस हुआ।

मुझे स्टंट की रोमांचक दुनिया में लौटना अच्छा लगा और इन कठिन कार्यों की उपलब्धियों ने मुझमें उपलब्धि की भावना विकसित की। यह सीजन् काफी अलग था, और यह अपनी थीम, हर लेवल, डर नेक्स्ट लेवल पर खरा उतरा है। मैं इस शो का आभारी हूं, क्योंकि इस बार मुझे अपना एक और पहलू भी देखने को मिला। अभिनेत्री ने शो में सबसे कठिन चुनौती के बारे में भी बताया, जिसने उनकी ताकत का परीक्षण किया।

उन्होंने कहा, शो में तैयार किए गए सभी स्टंट किसी न किसी तरह से कठिन हैं, लेकिन शो में मैंने जो दूसरी चुनौती पेश की, वह मेरे लिए अंतिम स्टंट की तरह थी। जब मुझे इसके बारे में पता चला तो यह थोड़ा कठिन लगा। मुझे दो पुरुष प्रतियोगियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी थी और उन्हें चुनौती देने के लिए स्टंट करने के लिए सबसे पहले जाना था।

दिव्यांका ने कहा, इस काम के लिए न केवल असाधारण शारीरिक शक्ति की, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति की भी जरूरत थी। ब्रीफिंग के बाद मैं दंग रह गई, क्योंकि जो प्रतियोगी मेरे बाद करतब दिखाएंगे, उन्हें पता होगा कि यह कैसे करना है। मुझे घबराहट महसूस हो रही थी, लेकिन आखिरकार मैंने सब कुछ पर कंट्रोल कर लिया और अपना सर्वश्रेष्ठ करतब दिखाया।

खतरों के खिलाड़ी 13 कलर्स पर शनिवार और रविवार को प्रसारित होता है।

डीपनेक क्रॉप टॉप पहन श्वेता तिवारी ने खुद को किया फ्लॉन्ट

टेलीविजन् की खूबसूरत और बोल्ड एक्ट्रेस में शुमार तिवारी इंडस्ट्री की उम्र का अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की नजरें उन्हें टकटकी लगा कर निहारते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने कुछ लेटेस्ट फोटोग्राफ इंस्टा अकाउंट पर शेयर किए हैं जिनमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। आज हम आपको तस्वीरों के माध्यम से बताने जा रहे हैं कि आखिर टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की उम्र कितनी है। आप भी अंदाजा लगा कर हमें कमेंट बॉक्स में बता सकते हैं। उससे पहले

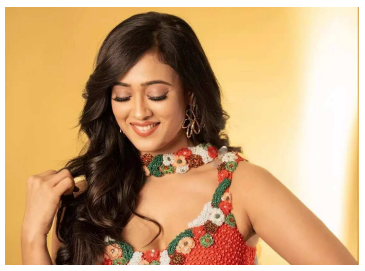

हम आपको बता दें कि श्वेता तिवारी के एक फोटोशूट की तस्वीरों ने एक बार फिर से इंटरनेट पर गरदा उड़ा दिया है। उनकी इन तस्वीरों को देखकर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। तस्वीरों को देखने के बाद फैंस उनकी उम्र का अंदाजा लगाते हुए कमेंट भी कर रहे हैं। चलिए अब हम आपको और इंतजार ना कराते हुए श्वेता तिवारी की उम्र क्या है वो बता ही देते हैं। जी हां! टीवी की खूबसूरत एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की उम्र देख कोई नहीं कह सकता कि वह 42 साल की हैं, श्वेता अपनी खूबसूरती से अपनी बेटी को भी मात देती हैं। श्वेता तिवारी ने ये जो तस्वीरें शेयर की हैं वो काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस फ्लोरल प्रिंट स्कर्ट और क्रॉप टॉप में नजर आ रही हैं और हर कोई श्वेता तिवारी की इन तस्वीरों पर फिदा हो गया है। (आरएनएस)

अक्षय ने उठाया कोयला खदान में फंसे लोगों को बचाने का बीड़ा

अक्षय कुमार ने अपने करियर में रुस्तम, एयरलिफ्ट, पैडमैन और केसरी जैसी कई फिल्मों में असल जिंदगी के नायकों की भूमिका निभाई।मिशन रानीगंज भी उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है, जिसमें वह एक बार फिर असल जिंदगी के एक नायक का किरदार निभा रहे हैं।इस फिल्म का टीजर आने के बाद इसे लेकर दर्शकों का उत्साह दोगुना हो गया था और अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में अक्षय रियल लाइफ हीरो जसवंत गिल की भूमिका निभा रहे हैं। जसवंत ने 1989 में कोयला खदान में हुए हादसे के बाद बचाव मिशन का नेतृत्व किया था और कई मजदूरों की जान बचाई थी।इतनी बाधाओं के बावजूद जसवंत बने अक्षय ट्रेलर में यही वीरतापूर्ण कार्य करते दिख रहे हैं, वहीं जसवंत की पत्नी बनीं निर्दोष गिल (परिणीति चोपड़ा) की शानदार झलक भी इसमें देखने को मिली है।अक्षय संग उनकी बेजोड़ केमिस्ट्री भी देखने लायक है।

साहस और दुर्गम चुनौतियों पर काबू पाने के दृढ़ संकल्प से भरपूर यह ट्रेलर देख लगता है कि यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी, वहीं जसवंत के रूप अक्षय के दमदार अभिनय और अवतार ने भी इसे लेकर उत्साह बढ़ा दिया है।

अक्षय की इस फिल्म का नाम द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू रखा गया था, लेकिन इंडिया और भारत शब्द पर उठे नए विवाद के चलते फिल्म द ग्रेट इंडिया रेस्क्यू का नाम फिर बदला गया है। अब इसकी टैगलाइन को बदलकर द ग्रेट भारत रेस्क्यू कर दिया है।सबसे पहले इसे कैप्सूल गिल के नाम से रिलीज किया जाना था। अब इसका नाम मिशन रानीगंज हो गया और बस इंतजार है तो फिल्म के रिलीज होने का।

पूजा एंटरटेनमेंट प्रोडेक्शन के बैनर तले बनी मिशन रानीगंज की कहानी विपुल के रावल ने लिखी है। अक्षय और परिणीति के अलावा फिल्म में दिव्येंदु भट्टाचार्या, रवि किशन, राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, वरुण बडोला जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे।इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है। यह फिल्म 6 अक्टूबर, 2०23 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिछले दिनों आया फिल्म का पहला गाना जलसा 2.० भी लोगों को काफी पसंद आया है।

फिल्म 13 नवंबर, 1989 को रानीगंज कोल फील्ड (पश्चिम बंगाल) में खदान ढहने और बाढ़ आने की सच्ची घटना पर आधारित है।इस हादसे में मजदूरों का समूह जमीन से 35० फीट नीचे खदान में फंस गया था। उस वक्त जसवंत सिंह खदान में इंजीनियर थे। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर कोयला खदान के 65 मजदूरों की जान बचाई थी।जसवंत को इस बहादुरी के लिए भारत सरकार की ओर से सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से नवाजा गया था।

सुपरस्टार सूर्या की सुपरहिट तमिल फिल्म सोरारई पोटरु के हिंदी रीमेक में भी अक्षय मुख्य भूमिका में हैं।हेरा फेरी 3 अक्षय के खाते से जुड़ी है। इसके अलावा साजिद नाडियाडवाला के साथ फिल्म हाउसफुल 5 में भी वह काम कर रहे हैं।धर्मा प्रोडक्शंस की सी शंकरन नायक की बायोपिक के हीरो भी अक्षय ही हैं। उन्हें फिल्म स्काई फोर्स में देखा जाएगा। इसके अलावा जॉली एलएलबी 3 में अक्षय को अरशद वारसी के साथ देखा जाएगा।(आरएनएस)

नस्लीय लड़ाई का इलाका है नागोर्नो-काराबाख़

श्रुति व्यास

क्या आपको नागोर्नो-काराबाख़ ध्यान में है? रूस के पड़ौस का वह इलाका जहां सन्2020 में में लड़ाई छिड़ी थी। भारत में हिंदी की कुछ लंगूरी टीवी चैनलों ने तब भविष्यवाणी की थी कि यह लड़ाई नए विश्वयुद्ध की शुरुआत है। विश्व युद्ध तो खैर नहीं हुआ परन्तु 44 दिन तक अजरबाइजान और अर्मेनिया में चली लड़ाई ने पूरे इलाके को तबाह किया।रूस दोनों के बीच का पंच था। रूस की आर्मेनिया के साथ संधि थी और अजऱबैजान के साथ दोस्ती। उसने पहल करके युद्ध विराम करवाया।वही काम उसने बुधवार को फिर किया है। दोनों में अचानक लड़ाई छिडी वह बेकाबू होती तभी युक्रेन में फंसे रूस कूटनीति की और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर है कि अजरबाइजान और अर्मेनिया के बीच लड़ाई रोकने, संघर्षविराम पर सहमति बनी है। अजरबाइजान के रक्षा मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की है कि नागोर्नो काराबाख में सैन्य अभियान रुक गया है।

तीन साल बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के अधबीच, नागोर्नो-काराबाख़ की शांति ड्रोनों और सायरनों की आवाज़ से अचानक भंग हुई।19 सितम्बर को अजऱबैजान ने अपने ही देश में स्थित इस आर्मेनियाई एन्क्लेव में फौज़ी कार्यवाही शुरू की और यूरोप में चिंता बनी की एक ठंडी पड़ चुकी लड़ाई के संकट को फिर से झेलना होगा।

दरअसल समुद्र से दूर अजऱबैजान की सीमा के भीतर स्थित नागोर्नो-काराबाख़ एक पहाड़ी इलाका है। यह सोवियत संघ के गठन के पूर्व से ही विवादित रहा है। जब तक आर्मेनिया और अजऱबैजान सोवियत संघ का हिस्सा थे तब तक दोनों के बीच तनाव दबा रहा। परन्तु शीत युद्ध के ख़त्म होने और कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण ढीला पडने से नस्लीय विवाद फिर से भड? उठा।

पूरी दुनिया नागोर्नो-काराबाख़ को अजऱबैजान का हिस्सा मानती है परन्तु इस इलाके के अधिकांश रहवासी आर्मेनियाई हैं और वे एक सदी से भी लम्बे समय से अजऱबैजान के शासन का विरोध करते आए हैं। सन 1991 में लगभग 1.5 लाख आबादी वाले इस क्षेत्र ने स्वयं को आजाद घोषित कर दिया। तब से ही वह आर्मेनिया की मदद से स्वयं को शासित कर रहा है। वह अपने आप को अर्टसख गणतंत्र कहता है, हालाँकि उसे दुनिया की मान्यता नहीं मिली है।

अजऱबैजान के रक्षा मंत्रालय ने हमलों को आतंकवाद-विरोधी कार्यवाही बताते हुए कहा कि इनका उद्देश्य नागोर्नो-काराबाख़ क्षेत्र में संवैधानिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना करना और वहां से हथियारबंद आर्मेनियाई अलगाववादियों को बाहर धकेलना है। इसके विपरीत, आर्मीनिया का कहना है कि अजऱबैजान के हमले का असली उद्देश्य काराबाख़ के अर्मेनियाई लोगों की नस्लीय सफाई करना है। यह बात आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान ने भी कही है।

नागोर्नो-काराबाख़ के एक्स (पहले ट्विटर) मानवाधिकार ओम्बड्समैन के अनुसार वहां दर्जनों लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है और छह समुदायों के नागरिकों को बाहर कर दिया गया है।

लड़ाई फिर से शुरू हो जाने से लगा कि दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक चैनलों के ज़रिये समझौता करवाने के रूस और पश्चिमी देशों के प्रयास असफल हो गए हैं। आर्मेनिया कई हफ़्तों से कह रहा था कि अजऱबैजान अपनी सेना को दोनों देशों की सीमा, जो दुनिया के सबसे ज्यादा सैनिक मौजूदगी वाले इलाकों में से एक है, के नज़दीक ला रहा है। अजऱबैजान ने नागोर्नो-काराबाख़ को आर्मेनिया से जोडने वाले एकमात्र रास्ते, जिसे लाचिन कॉरिडोर कहा जाता है, को पिछले साल के अंत से बंद कर रखा था ताकि इस इलाके के नेतृत्व को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया जा सके। इसके नतीजे में इलाके में खाने-पीने की चीज़ों, दवाईयों और ईंधन की ज़बरदस्त कमी हो गई। बाकू (अजऱबैजान की राजधानी) में सरकार ने 9 सितम्बर को घोषणा की वह कॉरिडोर को खोलने के लिए तैयार है बशर्ते नागोर्नो-काराबाख़ को अजऱबैजान से जोडने वाली सड? को खोल दिया जाए।

कुल मिलाकर, अजऱबैजान चाहता है कि नागोर्नो-काराबाख़ उसका हिस्सा बन जाए। इसका अर्थ होगा वहां रह रहे 1,20,000 अर्मेनियाई नागरिकों का कत्लेआम या उनका पलायन। यह भी हो सकता है कि उनके साथ ज़बरदस्ती की जाए और उन्हें अजऱबैजान की प्रभुता स्वीकार करने पर मजबूर किया जाए। जो भी हो, यह साफ़ है कि अजऱबैजान, नागोर्नो-काराबाख़ की ज़मीन और उसके लोगों पर अपना राज कायम करना चाहता है। बाकू की सरकार ने यह साफ़ कर दिया है कि नागोर्नो-काराबाख़ उसके देश के अन्य क्षेत्रों के समकक्ष होगा। अजऱबैजान इस इलाके को कोई विशेष दर्जा देने या वहां के लोगों को सुरक्षा की गारंटी देने के लिए तैयार नहीं है।

अजऱबैजान में 2,000 रूसी शांति सेना मौजूद हैं। उन्हें युद्धबंदी के बाद वहां इसलिए रखा गया था ताकि वहां फिर से युद्ध न भड?ने पाए। जाहिर है कि ये शांति सेना असफल रही। व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के युद्ध के दलदल में बुरी तरह फंसे हुए हैं और पूर्व सोवियत संघ के प्रान्तों (जो अब अलग देश हैं) पर उनका कोई असर नहीं रह गया है। यही कारण है कि अजऱबैजान और आर्मेनिया अपना झगडा सुलझाने के लिए रूस की शरण में जाने की बजाय आपस में भिडे।

आर्मेनिया, अमरीका की गोदी में जा बैठा है। हाल में उसने एक छोटी सी सैनिक कवायद आयोजित की, जिसमें मुट्ठीभर अमरीकी सैनिकों ने भाग लिया। इसमें रूसी सेना को कोई भूमिका नहीं दी गयी। आर्मेनिया, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का सदस्य बनने की कोशिश भी कर रहा है। यह वही कोर्ट है जिसने व्लादिमीर पुतिन के नाम गिरफ़्तारी वारंट जारी किया था जिससे मास्को बहुत नाराज़ है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि आर्मेनिया में रूस के प्रशंसकों की संख्या में ज़बरदस्त गिरावट आई है। उन्नीस सितम्बर को आर्मेनिया की राजधानी येरवान की मुख्य सड?ों पर नागरिकों का एक बड़ा जुलूस निकला जिसमें लोग नारे लगा रहे थे- रूस हमारा दुशमन है।

इस बीच अजऱबैजान तुर्की और इजऱाइल के नज़दीक खिसक गया है और इन दोनों देशों से हथियार खरीद रहा है। साफ़ है कि इस पूरे इलाके में रूस का दबदबा कम हो रहा है और यही कारण है कि वहां लड़ाई फिर शुरू हुई जबकि तुर्की, ईरान, यूरोपियन यूनियन और तंगहाल रूस - सभी के लिए दक्षिण कॉकस अहम है।इसलिए अमेरिका, रूस सहित कई देशों ने लड़ाई तुरंत बंद करने की अपील की। जवाब में अजरबाइजान का कहना था कि अलगाववादियों के समर्पण करने के बाद ही हमले रुकेंगे। बुधवार कोरूस और संयुक्त राष्ट्र ने अजरबाइजान के अलग हुए नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र में लड़ाई को समाप्त करने का आह्वान किया। ताजा सैनिक भिडंत में

इन सब के बीच, अजरबाइजान के राष्ट्रपति ने कहा, अवैध अर्मेनियाई सशस्त्र बलों को सफेद झंडा फहराना चाहिए. नहीं तो, आतंकवाद विरोधी उपाय अंत तक जारी रहेंगे।

दो नागरिकों सहित 27 लोगों की मौत की खबर है। 16 गांवों से कोई 7,000 से अधिक लोगों को निकाल कर सुरक्षित ठिकानों पर ले जाया गया। अलगाववादियों की माने तो अजरबाइजान ने टैंक, हवाई जहाज और ड्रोन से हमले किए। इसलिए संघर्षविराम पर सहमति के बाद सैन्य अभियान भले थमा मगर अजरबाइजान का रूख गडबड है।

अजरबाइजान के राष्ट्रपति इलहाम अलीयेव का अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को फोन पर यह कहना कि अर्मेनियाई अलगाववादियों ने हथियार डाल दिए तो नागोर्नो-काराबाख में अजरबाइजान का अभियान समाप्त हो जाएगा कोई शांति की भाषा नहीं है।

सू- दोकू क्र.063

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

समान नागरिक संहिता पर क्या हो रहा है?

क्या केंद्र सरकार जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी की सिफारिशों के आधार पर देश में समान नागरिक कानून लागू करेगी? इस मामले की क्रोनोलॉजी देख कर ऐसा लग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 जून को भोपाल में एक कार्यक्रम में समान नागरिक संहिता की वकालत की, जिसके तेजी से घटनाक्रम शुरू हुआ। एक तरफ उत्तराखंड सरकार द्वारा इस मसले पर बनाई गई समिति के सदस्य विधि आयोग से मिले तो दूसरी ओर विधि आयोग आम लोगों से इस पर राय मांगी और खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कह दिया था कि एक घर दो कानून से नहीं चल सकता है। इन सबके बीच जुलाई महीने में जगह जगह सेमिनार और सम्मेलन होने लगे, जिनमें हर तरफ से समान कानून की वकालत की जा रही थी।

प्रधानमंत्री के बयान के करीब तीन महीने बाद इस मसले पर चौतरफा चुप्पी है। प्रधानमंत्री ने 28 जून के बाद इस बारे में कुछ नहीं कहा। इस मामले पर ध्यान इसलिए गया है क्योंकि एक छोटी सी खबर आई है कि उत्तराखंड सरकार ने इस मसले पर विचार के लिए बनी कमेटी का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ा दिया है। ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में कमेटी बनी है, जो समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार कर रही है। इस कमेटी का गठन पिछले साल हुआ था और दो बार के विस्तार के बाद इसका कार्यकाल 27 सितंबर को खत्म हो रहा था। इसे चार महीने का एक और विस्तार दे दिया गया है।

सोचें, जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई ने खुद 27 जून को कहा था कि समान नागरिक कानून का मसौदा तैयार है और जल्दी ही उसे सरकार को सौंप दिया जाएगा। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल में इसकी वकालत की थी। तब कहा गया था कि जुलाई के अंत तक जस्टिस देसाई कमेटी की रिपोर्ट उत्तराखंड सरकार को सौंप दी जाएगी। उस समय चर्चा थी कि इस कमेटी के मसौदे को ही केंद्र सरकार अपना कर पूरे देश में लागू कर सकती है। इस चर्चा को और बल तब मिला, जब जस्टिस देसाई ने दिल्ली में विधि आयोग के सदस्यों से मुलाकात की। फिर विधि आयोग ने लोगों की राय मंगाने का फैसला किया। पहले 13 जुलाई तक का समय दिया गया था, जिसे बाद में बढ़ा कर 28 जुलाई कर दिया गया। एक महीने में आयोग को एक करोड़ से ज्यादा सुझाव मिले हैं।

सो, अब सवाल है कि जब जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी ने मसौदा तैयार कर लिया था तो उसने सरकार को सौंपा क्यों नहीं और अब उसको विस्तार क्यों दिया गया है? बताया जा रहा है कि विधि आयोग इस मसले पर मिले एक करोड़ से ज्यादा सुझावों की छंटनी कर रहा है। उसमें मिले कुछ सुझावों को जस्टिस देसाई कमेटी के मसौदे में शामिल किया जा सकता है। जानकार सूत्रों के मुताबिक इसलिए कमेटी को विस्तार दिया गया है ताकि सभी सुझावों की छंटनी हो जाए और उसमें से ऐसे सुझाव अलग कर दिए जाएं, जिनको कमेटी की सिफारिशों में जगह मिलेगी। उसके बाद वह मसौदा उत्तराखंड सरकार को पेश कर दिया जाएगा। संभव है कि विधि आयोग भी उस पर अपनी मुहर लगा दे और फिर केंद्र सरकार उसको अपना ले। (आरएनएस)

देसी तमंचा व कारतूस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने एक तमंचे व कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है जो पहले भी जेल की हवा खा चुका है। जानकारी के अनुसार कल देर रात चौकी आम्रपाल पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस जब रौले वाली सड़क पर देवाशिशपुरम को जाने वाले मोड़ के समीप पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम नवीन सिंह मेहरा पुत्र सुरेश सिंह मेहरा निवासी ग्राम टुनाकोट शेरा तहसाली रानीखेत अल्मोड़ा हाल निवासी निकट स्कॉर्लस स्कूल संगम बिहार फेज-5 मुखानी बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है जो पहले भी धोखाधड़ी, जान से मारने का प्रयास सहित कई धाराओं में जेल जा चुका है तथा वह अभी चार माह पूर्व ही जेल से रिहा हुआ था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विधानसभा से बर्खास्त कर्मियों को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस जारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। एक नोटिस ने इस मामले को फिर से ताजा कर दिया है। राज्य संपति विभाग की तरफ से कर्मचारियों को सरकारी आवास खाली करने का नोटिस जारी हुआ है। उत्तराखंड विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस उन बर्खास्त कर्मियों को दिया गया है, जो अभी तक सरकारी भवनों में रह रहे हैं, जबकि काफी पहले ही विधानसभा की तरफ से उनकी सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया जा चुका है। इस संदर्भ में राज्य संपत्ति विभाग की तरफ से कर्मचारियों को नोटिस जारी किया जा चुका है।

विदित हो कि विधानसभा में नियमों के खिलाफ नियुक्ति पाने वाले कर्मचारियों को बर्खास्त तो कर दिया गया, लेकिन इनमें से कई कर्मचारी ऐसे हैं जो आज भी इसी नियुक्ति के तहत मिले सरकारी भवनों में निवास कर रहे हैं। इसको लेकर अब राज्य संपति विभाग की तरफ से ऐसे कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिया गया है।

जमीन दिलाने के नाम पर ठगे एक करोड 60 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। बिल्डर को जमीन एकत्रित कराने के नाम पर एक करोड 60 लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महंत रोड निवासी राकेश बत्ता ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि माह फरवरी 2023 में उसको अवधेश चौधरी के माध्यम से मानसी चतुर्वेदी पुत्री संजीव चतुर्वेदी निवासी आनन्द मार्ग राजपुर रोड़ देहरादून मिली, जिसने उसको कहा की वह उसके लिये विभिन्न जमीने इकट्ठी करके प्रोजेक्ट चलाने में उसकी मदद करूंगी। उसके द्वारा इसके परिवार का सत्यापन किया तो यह राजपुर रोड स्थित फ्लैट में रहती है। इसके द्वारा उससे से विभिन्न तिथियों में कई बार रकम लेकर गई कि उसको जमीन वाले काश्तकारों को देनी है उसके द्वारा इसको कई बार बोला कि उसकी मुलाकात जमीन वाले काश्तकारों से करवा दो परन्तु इसके द्वारा उसको यह बोला गया कि वह इन जमीन वाले काश्तकारों से मत मिलो वह लोग उससे ज्यादा रकम की माग करेगें। इसके द्वारा अभी तक उससे एक करोड़ साठ लाख रूपये लिये गये है। यह रकम इसके द्वारा कोई भी जमीन वाले काश्तकारों को नहीं पहुंचाई गई है एवं जो भी कागजात तथा रसीद हस्ताक्षर कराकर उसे दी गई, वो सब झूठे साबित हुये। इसके द्वारा उसको अदा की गई रसीद, जो कि उसके पास उपलब्ध है जिसका कोई औचित्य नहीं है। उसकों इसने धोखे में रखकर उससे इतनी बड़ी रकम ठग ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

14 पेटी अंग्रेजी शराब सहित दो तस्कर दबोचे, वाहन सीज

हमारे संवाददाता

चमोली। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने 14 पेटी अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन भी बरामद कर सीज कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना जोशीमठ पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध आल्टो कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो कार चालक व उसका साथी भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। कार की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखी 14 पेटी अंग्रेजी शराब (मैकडावल) बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम राजेंद्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी ग्राम जोखना पोस्ट बूरा थाना नंदा नगर घाट जनपद चमोली व पुष्कर सिंह निवासी ग्राम आला पोस्ट बूरा थाना नंदा नगर घाट जनपद चमोली बताया। पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

पढ़े लिखों को बनाया निशाना, ठगे 65 हजार रुपये

देहरादून (सं)। ठग ने पढी लिखी महिला को अपना शिकार बनाकर 65 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार ठग अब पढे लिखों को ही अपना निशाना बना रहे हैं और बचकानी बात करके ही उनसे ठगी कर फायदा उठा रहे हैं। जिसका उदाहरण पटेलनगर थाने में दर्ज मुकदमा है। यहां देहरा खास निवासी महिला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि 3 अगस्त 2023 को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपने मोबाईल से उसको कॉल किया और बताया कि वह हरीश बोल रहा है और बताया कि उसने उसके एकाउन्ट में गलती से पैसे डाल दिये और उस व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर पैसे डाल दिये और उस व्यक्ति ने उसके मोबाइल पर पैसे भेजने के मैसेज भेजे, उसने जल्दबाजी में पैसे जमा के मैसेज पढे और उस व्यक्ति की बातों पर यकीन कर उस के कहने पर उसने अपने खाते से 65 हजार रुपये उस व्यक्ति को भेज दिये, जब उसने अपने खाते की जानकारी की तब उसको पता चला कि उस व्यक्ति ने उसके साथ धोखाधड़ी कर उसको तथ्यो के आधार पर उसकी जमा पूंजी निकलवा ली।

कर्मकार कल्याण बोर्ड के साईकिल घोटाले की जांच सीबीआई से होः नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि कर्मकार कल्याण बोर्ड के साईकिल घोटाले की जांच सीबीआई से करायी जाये।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि कल ही सरकार द्वारा कर्मकार कल्याण बोर्ड के साइकिल घोटाले की जांच के मामले में कमिश्नरी जांच के आदेश दिए हैं, जोकि सराहनीय कदम है, लेकिन ये नाकाफी है तथा इसकी सीबीआई जांच होनी ही चाहिए। नेगी ने कहा कि पूर्व मंत्री एवं कर्मकार कल्याण बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष हरक सिंह रावत की सरपरस्ती में कर्मकार कल्याण बोर्ड ने लगभग 150 करोड रुपए की खरीद की, जिसकी खरीद एवं वितरण के बारे में कुछ अता-पता नहीं है। वर्ष 2017 से लेकर वर्ष 2021 तक 81173 लोगों को स्किल करने के नाम पर 33.77 करोड रुपए जी एंड जी स्किल डेवलपर्स को भुगतान किए गए तथा लगभग 100 करोड रुपए मूल्य की घटिया साइकिल, वेल्डिंग मशीन, टूल किट, सोलर लालटेन, छाते व अन्य सामान की खरीद की गई। इसके अलावा लगभग 3.25 लाख खाद्यान्न किट कोरोना के समय लगभग 35 करोड रुपए में खरीदी गई। इसके साथ-साथ हरक सिंह रावत द्वारा शंकरपुर ,सहसपुर में लगभग 107 बीघा भूमि फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए हथियाने का मामला भी बहुत बड़ी जालसाजी है। नेगी ने कहा कि इसी क्रम में कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से करोड़ों रुपया अपने मेडिकल कॉलेज (डीआईएमएस) एवं अन्य प्राइवेट अस्पतालों को इलाज के नाम पर बंदरबांट किए का दाग भी उनके माथे पर है। मोर्चा सरकार से मांग करता है कि पूरे प्रकरणों की सीबीआई से जांच कराए। पत्रकार वार्ता में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार व अमित जैन मौजूद थ।

युवती की मौत पर पिता ने दी चिकित्सक व नर्स के खिलाफ तहरीर

संवाददाता

देहरादून। दून चिकित्सालय में युवती की मौत पर उसके पिता ने चिकित्सक व नर्स के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की तहरीर कोतवाली में दे दी।

घटनाक्रम के अनुसार गत दिवस दून चिकित्सालय में ग्राम समाल्टा ददौली तहसील कालसी निवासी गोपाल की पुत्री निशा की दून चिकित्सालय में मौत हो गयी थी। जिसपर परिजनों ने चिकित्सको पर लापरवाही का आरोप लगाया था। आज यहां मृतका के पिता गोपाल ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी पुत्री निशा देहरादून में प्राइवेट जॉब करती थी। कुछ दिनों पहले उसको बुखार हो गया था फिर बुखार ठीक भी हो गया था। दो दिन पहले निशा को फिर से हल्का सा बुखार था तथा पेट भी ठीक नहीं था। उसने अपनी पुत्री को लेमहन हास्पिटल में भर्ती कराया। हास्पिटल के द्वारा बेड की असमर्थता जतायी तो वह उसको लेकर दून हास्पिटल में आया। रात को उसको अमरजेंसी में दिखाने के लिए कहा गया। उस समय उसकी पुत्री पूर्ण तरह से ठीक थी तथा बोलचाल रही थी हल्का सा बुखार था। रात्रि करीब साढे ग्यारह बजे एक नर्स आयी और उसने तीन दवाइयों को मिक्स करके एक इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन के लगाते ही लगभग पांच मिनट में उसकी बेटी जोर-जोर से चिल्लाने लगी तथा उसके हाथ पैर कर रंग बदलने लगा तथा मुंह से खून की उल्टी व झाग निकलने लगा। पांच मिनट के अन्दर उसकी बेटी की मृत्यु हो गयी। उसने आरोप लगाया कि दून हास्पिटल प्रशासन उसकी बेटी के भर्ती होने के दस्तावेज गायब कर सकते हैं तथा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट भी बदल सकते हैं इसलिए उसकी बेटी का पोस्टमार्टम किसी दूसरे अस्पताल के डाक्टरों से कराया जाये। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों में अब महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली। एमपी में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषणा के ठीक पहले शिवराज सरकार ने एक और मास्टर स्ट्रोक लगाया हैं। सरकारी नौकरी की तमन्ना रखने वाली महिलाओं को 35% आरक्षण देने पर मुहर लगा दी हैं। वैधानिक तौर पर नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी अधि

सूचना के मुताबिक अब सीधी भर्ती के पदों पर महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए मध्य प्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्त के लिए विशेष उपबंध) नियम 1997 में संशोधन किया गया है। लाड़ली बहना योजना के बाद शिवराज सरकार का यह बड़ा कदम माना जा रहा हैं। शिक्षक भर्ती में 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। वन विभाग को छोड़कर यह सभी विभागों के पदों पर लागू होगा। आरक्षण सभी स्तर पर और प्रभागवार मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में दो करोड़ 62 लाख महिला मतदाता हैं। पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। अन्य पदों पर 33 प्रतिशत के हिसाब से आरक्षण दिया जा रहा है। यह आरक्षण समस्तर और प्रभागवार दिया जा रहा है, यानी जिस संवर्ग में जितने पद आरक्षित होंगे, उनमें महिलाओं के लिए निधारित मात्रा में पदों का आरक्षण रहेगा। विधानसभा चुनावों से पहले शिवराज सरकार ने महिलाओं को लुभाने के लिए कसर नहीं छोड़ी हैं।

आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकी और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकी को मार गिराया गया है। जिले के कुज्जर इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसपर सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर कर सर्च अभियान शुरू किया था। जिसपर आतंकियों की ओर से फायरिंग शुरू

कर दी गई। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकियों को निशाना बनाया। इसमें दो आतंकी ढेर हो गए। हालांकि, इलाके में अभी दो से तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर कर पड़ताल शुरू कर दी है। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कश्मीर जोन पुलिस ने लिखा, कुलगाम में 2 आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ स्थल से मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किए जा रहे हैं। सुरक्षा घेरा एवं तलाशी अभियान अभी भी जारी है। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी। उधर, राजौरी में आतंकवादियों को पकड़ने का अभियान तीसरे दिन भी जारी रहा।

कांस्टेबल ने पत्नी और दो बेटियों की हत्या कर खुद को भी मारी गोली

नई दिल्ली। आंद्र प्रदेश के कडप्पा शहर में एक कांस्टेबल ने अपने परिवार को गोली मारकर मौत की नींद सुला दिया। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। कांस्टेबल ने सुसाइड नोट में लिखा कि वह निजी वजहों के चलते यह कदम उठा रहा है। साथ ही लिखा कि संपत्ति को उनकी दूसरी पत्नी को दे जाए और नौकरी बच्चे को दे दी जाए।

जानकारी के अनुसार ये मामला गुरुवार की सुबह का बताया जा रहा है। यहां पर कोऑपरेटिव कॉलोनी में रहने वाले पुलिस कांस्टेबल ने अपनी बंदूक से पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद

अपनी दोनों बेटियों को शूट करने के बाद खुद भी सुसाइड कर लिया। इस दर्दनाक वारदात के बाद तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। कडप्पा का रहने वाला कांस्टेबल पुलिस अधिकारियों के हथियारों की देखभाल करता था पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच शुरू कर दी। बता दें कि आत्महत्या से जुड़ा बुधवार को दिल्ली से भी एक सामने आया था। यहां पर सहायक पुलिस आयुक्त ने अवसाद के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अपनी पत्नी की मौत के कुछ दिनों बाद उन्होंने दिल्ली के जंगपुरा इलाके में स्थित अपने घर पर जीवन लीला समाप्त कर ली। 55 साल के एसीपी अनिल सिसोदिया ने अपनी निजी रिवॉल्वर का इस्तेमाल किया। सिसोदिया को दक्षिण पश्चिम जिले में एसीपी हेडक्वार्टर के रूप में तैनात किया गया था।

हल्द्वानी में मिला था शव, काशीपुर में गुमशुदगी, पौड़ी पुलिस ने की शिनाख्त

हमारे संवाददाता

पौड़ी/नैनीताल। गुमशुदाओं को मिलाने के साथ ही पौड़ी पुलिस की आप्रेशन स्माइल टीम अज्ञात शवों की शिनाख्त भी करा रही। पौड़ी पुलिस की ऑपरेशन स्माइल टीम ने 27 नवंबर 2022 को हल्द्वानी में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त की है, जिसकी गुमशुदगी लगभग एक वर्ष पूर्व कोतवाली काशीपुर, उधमसिंह नगर में मृतक के भाई के द्वारा दर्ज करायी गई थी।

जानकारी के अनुसार पौड़ी पुलिस की आप्रेशन स्माइल टीम को गुमशुदाओं की ढूंढखोज व अज्ञात शवों के शिनाख्त के दौरान पता चला कि दिनांक 27.11.2022 को कोतवाली हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत गौजाजाली दक्षिण नहर में एक अज्ञात लावारिश शव, थाना हल्द्वानी पुलिस द्वारा बरामद किया गया था। जिसकी शिनाख्त नहीं हो पायी थी। जिसके बाद पुलिस द्वारा अज्ञात शव का रीति रिवाजों के साथ अन्तिम संस्कार किया गया था।

ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा पौड़ी ही नहीं बल्कि उत्तराखण्ड के सभी थानों के अज्ञात शव रजिस्टरों का अवलोकन किया जा रहा है। दो अक्टूबर को थाना हल्द्वानी, नैनीताल में "अज्ञात शव रजिस्टर" का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया एवं

लावारिश शव के फोटो, कद काठी, शक्ल सूरत, पहनावा, शरीर के निशान आदि का बारीकी से अवलोकन किया गया तो एक अज्ञात शव का हुलिया व पहनावा गुमशुदा व्यक्ति कमल चौधरी से मेल खा रहा था।

गुमशुदाओं की सम्पूर्ण जानकारी ऑपरेशन स्माइल टीम पौड़ी द्वारा पहले से ही एकत्रित की गयी थी। इसी क्रम में गुमशुदा कमल चौधरी की डिटेल पहले से ही थाना काशीपुर, उधमसिंह नगर से एकत्रित की गयी थी क्यूंकि गुमशुदा कमल चौधरी निवासी चांदपुर, काशीपुर की गुमशुदगी की रिपोर्ट उनके भाई केशर चन्द द्वारा दिनांक 14 नवम्बर 2022 को थाना काशीपुर दर्ज करायी गयी थी। लेकिन गुमशुदा का कोई पता नही चल पाया।

जिस पर हल्द्वानी में मिले अज्ञात शव के फोटो, हुलिया, पहनावा आदि का अवलोकन करने पर टीम को प्रतीत हुआ की यह फोटो और हुलिया गुमशुदा कमल चौधरी से मेल खाता है जो काशीपुर से गुमशुदा है। इसकी पुष्टि के लिए ऑपरेशन स्माइल टीम पौड़ी द्वारा काशीपुर से सम्पर्क किया गया दोनों टीमों द्वारा गुमशुदा के परिजनों को कोतवाली हल्द्वानी में बुलाया गया व अज्ञात शव के फोटोग्राफ व पंचायतनामा परिजनों को दिखाया गया। फोटो, हुलिया, पहनावा आदि के द्वारा गुमशुदा के पुत्र व परिजनों द्वारा अज्ञात शव को कमल चौधरी का ही बताया गया। इस प्रकार से गुमशुदा कमल चौधरी के शव की शिनाख्त कठिन मशक्कत के बाद ऑपरेशन स्माइल टीम पौड़ी द्वारा करायी गयी।

गुलदार ने दस साल के बच्चे पर किया हमला

हमारे संवाददाता

टिहरी। राज्य में वन्य जीवों के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे है। इस क्रम में बीती शाम गुलदार ने एक दस साल के बच्चे पर हमला कर दिया। हालांकि इस दौरान हो हल्ला मच जाने पर गुलदार बच्चे को छोड़ कर भाग निकला लेकिन गुलदार के हमले के बाद बच्चे की हालत चिंताजनक होने पर उसे देहरादून रैफर कर दिया गया है।

घटनाक्रम देवप्रयाग के गोसिल गांव का है। जानकारी के अनुसार बीती शाम दस वर्षीय जसप्रीत अपनी बहन के साथ मवेशियों के लिए घास लेने गया था। उसके पिता सुशीलदास ने बताया कि गुलदार ने जसप्रीत पर अचानक हमला कर उसे उठाकर पास के पेड़ पर फेंक दिया। इससे पहले गुलदार उसे अपना निवाला बनाता उसकी बहन ने चिल्लाना शुरू कर दिया। जिस पर आस पास के लोग शोर मचाते हुए मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद गुलदार बालक को छोड़ भाग निकला।

हमले में गुलदार ने बच्चे के सिर, चेहरे पर नाखूनों से वार कर लहूलुहान कर दिया था। गंभीर हालत में परिजन बच्चे को तुरंत सीएचसी हिंडोला खाल ले गए। जहां से श्रीनगर रेफर किया गया। यहां से बच्चे को ऋषिकेश एम्स भेज दिया गया। लेकिन वहां भी बेड न मिलने के कारण उसे देहरादून के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मामले में रेंजर दीक्षा भट्ट ने बताया कि वह भी घायल बच्चे के उपचार के लिए देहरादून पहुंची हैं। चिकित्सकों ने बच्चे के सिर के ऑपरेशन की बात कही है। उन्होंने कहा कि वन विभाग बच्चे के इलाज का खर्चा उठाएगा।

कार के खाई में गिरने से शिक्षक व सात बच्चे घायल

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक कार के खाई में गिर जाने से कार चालक शिक्षक व सात बच्चे घायल हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जिसमें से एक बच्चे की गम्भीर हालत होने पर उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस को सूचना मिली कि टाटिक रोड अल्मोड़ा के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी है। जिसमें एक शिक्षक सहित सात बच्चे मौजूद है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां एक बच्चे की हालत गम्भीर होने पर उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। दुर्घटना के सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा अरूण कुमार ने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय मैथानी के अध्यापक प्रकाश चंद जोशी अपनी निजी कार से स्कूल के सात बच्चों पीयूष पलानी, दक्ष नैनवाल, मंयक पाली, दीपांशु आर्य, आयुष आर्य, नेहा आर्य व लीला आर्य को खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खैरदा पौधार गांव ले जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार टाटिक के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरी। जिससे वाहन में सवार बच्चे और कार चालक शिक्षक घायल हुए है। जिनको अस्पताल पहुंचाया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।